करियर शीट · CAREER SHEET

Combined Medical Services Examination (UPSC) — Medical Officer in Central Government

संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा वह रास्ता है जिससे एम.बी.बी.एस. चिकित्सक केन्द्र सरकार की सेवा में चिकित्सा अधिकारी बनता है। यह परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग प्रतिवर्ष आयोजित करता है और इससे मुख्यतः दो श्रेणियों के पद भरे जाते हैं।...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/upsc-cms

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा वह रास्ता है जिससे एम.बी.बी.एस. चिकित्सक केन्द्र सरकार की सेवा में चिकित्सा अधिकारी बनता है। यह परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग प्रतिवर्ष आयोजित करता है और इससे मुख्यतः दो श्रेणियों के पद भरे जाते हैं। पहली श्रेणी केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारी उप-संवर्ग की है, जो संख्या में सबसे बड़ी है। दूसरी श्रेणी में रेलवे का सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद का सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारी तथा दिल्ली नगर निगम का सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारी ग्रेड-II आते हैं। इस पृष्ठ के होने का कारण सीधा है: यह पोर्टल राजस्थान के चिकित्सा अधिकारी, आयुष चिकित्सा अधिकारी एवं दंत चिकित्सा अधिकारी के पद पहले से बताता था, पर केन्द्र सरकार में जाने का कोई रास्ता नहीं बताता था — अर्थात् एक एम.बी.बी.एस. विद्यार्थी पूरा पोर्टल पढ़कर भी यह नहीं जान पाता था कि संघ सरकार खुली परीक्षा से चिकित्सक भर्ती करती है। और इस परीक्षा की एक बात इसे इस पोर्टल की हर दूसरी परीक्षा से अलग करती है: इसमें सामान्य ज्ञान का कोई प्रश्न-पत्र नहीं होता। पूरी लिखित परीक्षा केवल चिकित्सा विषयों की है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	अंतिम एम.बी.बी.एस. परीक्षा के लिखित एवं प्रायोगिक दोनों भाग उत्तीर्ण। जो अभ्यर्थी अंतिम एम.बी.बी.एस. में बैठ चुके हैं अथवा बैठने वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं, किन्तु उनका प्रवेश अनंतिम रहता है। स्नातकोत्तर (एम.डी./एम.एस.) की कोई आवश्यकता नहीं
भर्ती संस्था	संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) — पद केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा, रेलवे, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद एवं दिल्ली नगर निगम के हैं
आयु-सीमा	32 वर्ष की आयु प्राप्त न की हो (1 अगस्त 2026 को, चक्र 2026 के लिए)। किन्तु केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारी उप-संवर्ग के लिए यह सीमा 35 वर्ष है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति को 5 वर्ष तथा अन्य पिछड़ा वर्ग को 3 वर्ष की छूट
आरंभिक वेतन	केन्द्र सरकार का नियमित वेतनमान — विज्ञप्ति में इस परीक्षा के लिए रुपये में आँकड़ा नहीं छापा गया, इसलिए यह पृष्ठ भी कोई संख्या नहीं बताता
माँग	परीक्षा प्रतिवर्ष होती है और तिथियाँ आयोग के वार्षिक कैलेंडर में पहले से प्रकाशित होती हैं। पदों में सबसे बड़ा हिस्सा केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा का रहता है

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- रोगियों का उपचार एवं नैदानिक कार्य
- स्थिर सेवा-शर्तों के साथ चिकित्सा का अभ्यास
- सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं सरकारी अस्पताल में सेवा

क्षमताएँ

- नैदानिक निर्णय — सरकारी अस्पताल एवं औषधालय में रोगियों की संख्या अधिक होती है और निर्णय शीघ्र लेने पड़ते हैं
- सहनशीलता एवं संवाद, क्योंकि रोगी प्रायः वे होते हैं जिनके पास निजी उपचार का विकल्प नहीं
- विषय पर पकड़, क्योंकि इस परीक्षा में केवल चिकित्सा विषय ही पूछे जाते हैं और वहीं पूरा अंतर बनता है

ज़रूरी कौशल

- सामान्य चिकित्सा एवं बाल रोग में नैदानिक अभ्यास
- निवारक एवं सामाजिक चिकित्सा — टीकाकरण, महामारी नियंत्रण एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम
- अभिलेख, रिपोर्टिंग एवं सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों का संचालन
- शल्य चिकित्सा, स्त्री रोग एवं प्रसूति की व्यावहारिक जानकारी
- आपात स्थिति एवं दुर्घटना के प्रकरणों का प्रबंधन

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान जीव विज्ञान के साथ उत्तीर्ण करें, नीट उत्तीर्ण करें और एम.बी.बी.एस. में प्रवेश लें। यहाँ तक का रास्ता वही है जो किसी भी चिकित्सक का होता है — इस परीक्षा के लिए अलग से कोई तैयारी स्नातक स्तर पर आवश्यक नहीं।
2. एम.बी.बी.एस. के अंतिम वर्ष में ही आवेदन कर सकते हैं, और यही इस पृष्ठ की सबसे व्यावहारिक बात है। जो अभ्यर्थी अंतिम एम.बी.बी.एस. में बैठ चुका है अथवा बैठने वाला है, वह आवेदन कर सकता है; उसका प्रवेश अनंतिम रहता है और निर्धारित समय-सीमा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण देना होता है।
3. अनिवार्य चक्रीय इंटर्नशिप पूरी होने की प्रतीक्षा न करें। विज्ञप्ति स्पष्ट कहती है कि जिस अभ्यर्थी की अनिवार्य चक्रीय इंटर्नशिप अभी पूरी नहीं हुई है, वह परीक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पात्र है — चयन होने पर नियुक्ति इंटर्नशिप पूरी होने के बाद ही होगी। अर्थात् परीक्षा पहले दी जा सकती है और इंटर्नशिप साथ चलती रह सकती है। आयु-सीमा 32 वर्ष होने के कारण एक वर्ष गँवाना यहाँ उतना ही महँगा है जितना राज्य के 40 वर्ष वाले पदों पर नहीं होता।
4. आयु-सीमा की दो अलग सीमाओं पर ध्यान दें, क्योंकि यह भेद अधिकांश अभ्यर्थी नहीं जानते: सामान्यतः 32 वर्ष, किन्तु केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारी उप-संवर्ग के लिए 35 वर्ष। चूँकि यही श्रेणी सबसे बड़ी है, कई अभ्यर्थियों के लिए व्यावहारिक सीमा 35 होती है — पर यह सभी पदों पर लागू नहीं।
5. आयोग की वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन करें। तिथियाँ वार्षिक परीक्षा कैलेंडर में पहले से प्रकाशित होती हैं, इसलिए तैयारी की योजना महीनों पहले बनाई जा सकती है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- यह परीक्षा इस पोर्टल की हर दूसरी सरकारी परीक्षा से एक बात में भिन्न है, और वही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है: इसमें सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति अथवा अभियोग्यता का कोई प्रश्न-पत्र नहीं होता। लिखित परीक्षा दो प्रश्न-पत्रों की है, प्रत्येक 250 अंक एवं दो घंटे का। प्रश्न-पत्र I — सामान्य चिकित्सा एवं बाल रोग, कुल 120 प्रश्न (96 सामान्य चिकित्सा से, 24 बाल रोग से)। प्रश्न-पत्र II — शल्य चिकित्सा (जिसमें नाक-कान-गला, नेत्र विज्ञान, आघात विज्ञान एवं अस्थि रोग सम्मिलित हैं), स्त्री रोग एवं प्रसूति, तथा निवारक एवं सामाजिक चिकित्सा — कुल 120 प्रश्न, प्रत्येक भाग से 40। अर्थात् पूरी लिखित परीक्षा 500 अंक की है और पूरी की पूरी चिकित्सा की है।
- इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि जो चिकित्सक साढ़े पाँच वर्ष नैदानिक विषयों पर लगा चुका है, उसे इस परीक्षा के लिए कोई नया विषय नहीं पढ़ना पड़ता। यह उन अभ्यर्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जो सामान्य अध्ययन एवं समसामयिकी की तैयारी नहीं करना चाहते — और इसी कारण कई चिकित्सक सिविल सेवा के स्थान पर यह रास्ता चुनते हैं। साथ ही ध्यान रहे कि इसका उल्टा भी सच है: यहाँ विषय में कमज़ोरी को सामान्य ज्ञान से ढका नहीं जा सकता, क्योंकि ढकने के लिए कुछ है ही नहीं।
- लिखित परीक्षा के बाद व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार) होता है, जो 100 अंक का है और केवल उन्हीं अभ्यर्थियों के लिए जो लिखित परीक्षा के परिणाम पर अर्हित होते हैं। अर्थात् कुल 600 अंक — 500 लिखित एवं 100 व्यक्तित्व परीक्षण। यह इस पद को राजस्थान की उन भर्तियों से अलग करता है जिनमें साक्षात्कार नहीं होता।
- ऋणात्मक अंकन लागू है और इसका नियम ध्यान से समझ लें, क्योंकि यह राजस्थान की व्यवस्था से उलटा है। प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प हैं; गलत उत्तर पर उस प्रश्न के एक-तिहाई अंक काटे जाते हैं। एक से अधिक उत्तर देने पर उसे गलत ही माना जाता है, चाहे उनमें सही उत्तर भी हो। किन्तु प्रश्न खाली छोड़ने पर कोई अंक नहीं कटता। राजस्थान की कई परीक्षाओं में प्रश्न खाली छोड़ने पर भी अंक कटते हैं — यहाँ नहीं। इसलिए यहाँ की रणनीति यह है कि जिस प्रश्न पर भरोसा न हो उसे छोड़ देना ही ठीक है। परीक्षा में कैलकुलेटर की अनुमति नहीं है।
- यह भी जान लेना चाहिए कि चयन के बाद आप कहाँ पहुँचेंगे, क्योंकि श्रेणियों का कार्य-जीवन बहुत अलग है। केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा का सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारी केन्द्र सरकार के अस्पतालों एवं औषधालयों में काम करता है और यह सबसे बड़ी श्रेणी है। रेलवे का सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी रेलवे के अस्पतालों एवं स्वास्थ्य इकाइयों में, रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारों की चिकित्सा के साथ दुर्घटना-प्रबंधन का दायित्व भी निभाता है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद एवं दिल्ली नगर निगम के पद नगरीय सार्वजनिक स्वास्थ्य के हैं। आवेदन करते समय वरीयता का चुनाव सोच-समझकर करना चाहिए।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- National Medical Commission — the list of recognised medical colleges, which is where to check that an MBBS course qualifies — अखिल भारतीय (https://www.nmc.org.in/)
- Medical Counselling Committee — the counselling through which NEET ranks become MBBS seats — अखिल भारतीय (https://mcc.nic.in/)

ऑनलाइन

- संघ लोक सेवा आयोग — विज्ञप्ति, वार्षिक कैलेंडर, पाठ्यक्रम एवं परिणाम — नई दिल्ली (https://www.upsc.gov.in/)
- राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी — नीट, जिससे एम.बी.बी.एस. में प्रवेश होता है — अखिल भारतीय (https://neet.nta.nic.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

इस रास्ते की असली लागत एम.बी.बी.एस. की है, न कि इस परीक्षा की। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में एम.बी.बी.एस. की फ़ीस निजी महाविद्यालय की तुलना में बहुत कम है, और राजस्थान में नीट के माध्यम से राजकीय महाविद्यालयों में प्रवेश मिलता है — इसलिए नीट में अच्छा प्रदर्शन ही इस पूरे रास्ते की सबसे बड़ी आर्थिक बचत है। इस परीक्षा के लिए अलग से किसी महँगे पाठ्यक्रम की आवश्यकता नहीं, क्योंकि पाठ्यक्रम वही है जो एम.बी.बी.एस. में पढ़ा जा चुका है; तैयारी मुख्यतः पुनरावृत्ति एवं विगत वर्षों के प्रश्न-पत्रों से होती है। आवेदन शुल्क विज्ञप्ति में दिया जाता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कौन नौकरी देता है

- केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा — सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारी उप-संवर्ग (सबसे बड़ी श्रेणी)
- नई दिल्ली नगरपालिका परिषद एवं दिल्ली नगर निगम — सामान्य कर्तव्य चिकित्सा अधिकारी
- भारतीय रेल — सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी

माँग (2026)

परीक्षा प्रतिवर्ष होती है और उसकी तिथियाँ आयोग के वार्षिक कैलेंडर में पहले से आ जाती हैं — इस दृष्टि से यह उन रास्तों में है जहाँ प्रतीक्षा वर्षों की नहीं होती। पदों में सबसे बड़ा हिस्सा केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा का रहता है। इसे राजस्थान के चिकित्सा अधिकारी पद के विकल्प के रूप में नहीं, समानांतर रास्ते के रूप में देखना चाहिए: योग्यता दोनों के लिए वही एम.बी.बी.एस. है, इसलिए दोनों की तैयारी एक साथ चलती है और दोनों में आवेदन करना चाहिए। अंतर मुख्यतः नियुक्ति के स्थान का है — राज्य सेवा राजस्थान में रखती है, यह परीक्षा देश में कहीं भी भेज सकती है। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. यह नियमित केन्द्रीय सेवा का पद है, इसलिए वेतनमान, वार्षिक वेतन-वृद्धि, वरिष्ठता एवं पेंशन-संबंधी लाभ इसके साथ जुड़े हैं।
2. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के भीतर आगे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी एवं उससे ऊपर के पदों तक पदोन्नति का मार्ग सेवा नियमों के अनुसार खुला रहता है।
3. स्नातकोत्तर (एम.डी./एम.एस.) इस परीक्षा के लिए आवश्यक नहीं है, पर सेवा में रहते हुए अथवा उससे पहले किया गया स्नातकोत्तर आगे विशेषज्ञ पदों की ओर ले जाता है। कई चिकित्सक इस पद को लेकर सेवा-सुरक्षा प्राप्त करते हैं और फिर स्नातकोत्तर की तैयारी करते हैं — यह एक व्यावहारिक क्रम है, विशेषकर जब आयु-सीमा 32 वर्ष हो और प्रतीक्षा महँगी पड़ती हो।

कमाई

शुरुआत	केन्द्र सरकार का नियमित वेतनमान (विज्ञप्ति में रुपये में आँकड़ा नहीं)
मध्य स्तर	वार्षिक वेतन-वृद्धि एवं भत्तों के साथ, सेवा के वर्षों के अनुसार
वरिष्ठ स्तर	पदोन्नति पर वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी एवं उससे ऊपर के स्तर पर

इस पृष्ठ पर वेतन का कोई रुपया-आँकड़ा जानबूझकर नहीं दिया गया है, और कारण वही है जो इस पोर्टल के दूसरे पृष्ठों पर रहा है: परीक्षा की विज्ञप्ति में वेतनमान छपा ही नहीं है। यह नियमित केन्द्रीय सेवा का पद है और वेतन सातवें वेतन आयोग के ढाँचे के अनुसार देय होता है, पर उसका सटीक स्तर इस दस्तावेज़ से प्रमाणित नहीं होता। अनुमान लगाकर संख्या लिख देना आसान था; गलत संख्या अभ्यर्थी के निर्णय को प्रभावित करती है, इसलिए यहाँ केवल वही कहा गया है जो दस्तावेज़ में है। नियुक्ति के समय जारी होने वाले कार्यालय आदेश में वेतनमान स्पष्ट रूप से दिया जाता है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- लिखित परीक्षा पूरी तरह चिकित्सा विषयों की है — सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति अथवा समसामयिकी का कोई प्रश्न-पत्र नहीं। एम.बी.बी.एस. में पढ़ा हुआ ही यहाँ काम आता है, और इस पोर्टल की किसी दूसरी सरकारी परीक्षा के बारे में यह नहीं कहा जा सकता।
- केवल एम.बी.बी.एस. पर्याप्त है; एम.डी. अथवा एम.एस. की आवश्यकता नहीं। स्नातकोत्तर के बिना केन्द्र सरकार की नियमित चिकित्सा सेवा तक पहुँचने का यह सीधा रास्ता है।
- इंटर्नशिप पूरी होने से पहले ही परीक्षा दी जा सकती है, इसलिए एक वर्ष बचता है — और 32 वर्ष की आयु-सीमा को देखते हुए वह एक वर्ष महत्त्वपूर्ण है।
- परीक्षा प्रतिवर्ष होती है और तिथियाँ पहले से प्रकाशित रहती हैं, इसलिए योजना बनाई जा सकती है।

चुनौतियाँ

- आयु-सीमा कड़ी है — सामान्यतः 32 वर्ष, और केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा की श्रेणी के लिए 35। राजस्थान के अधिकांश पदों की सीमा 40 वर्ष है, इसलिए यहाँ प्रयासों के लिए समय कम मिलता है।
- नियुक्ति देश में कहीं भी हो सकती है। जो अभ्यर्थी परिवार अथवा भाषा के कारण राजस्थान में ही रहना चाहता है, उसके लिए यह वास्तविक कठिनाई है — और यही सबसे बड़ा कारण है कि राज्य के चिकित्सा अधिकारी पद के साथ इसकी तुलना करके निर्णय लेना चाहिए।
- व्यक्तित्व परीक्षण 600 में से 100 अंक का है, इसलिए चयन केवल लिखित अंकों पर नहीं टिकता। इस पोर्टल की कई भर्तियों में साक्षात्कार नहीं होता; यहाँ होता है।
- विषय में कमज़ोरी को ढकने का कोई साधन नहीं। जहाँ दूसरी परीक्षाओं में सामान्य अध्ययन से भरपाई हो जाती है, वहाँ यहाँ पूरी परीक्षा चिकित्सा की होने के कारण विषय ही एकमात्र आधार है।

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. — https://www.upsc.gov.in/sites/default/files/Notification-CMSE-2026-English-110326.pdf

2. — https://www.upsc.gov.in/examinations/Combined%20Medical%20Services%20Examination%2C%202026

3. — https://www.upsc.gov.in/

4. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

5. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

6. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in